दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 21 मई 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 229

अंतर्राष्ट्रीय

डीपफेक पोर्न पर बना कानून, राष्ट्रपति ने बिल पर किए साइन; अब 48 घंटे में होगा एक्शन

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डीपफेक और रिवेंज पोर्न के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए एक अहम कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। इस नए कानून का नाम टेक इट डाउन एक्ट है, जिसे हाल ही में व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक सेरेमनी में आधिकारिक रूप से लागू किया गया। यह कानून उन मामलों पर सीधे कार्रवाई करेगा, जिसमें किसी की सहमति के बिना अश्लील फोटो या वीडियो, चाहे असली हों या ₹द्ध द्वारा जनरेट किए गए, ऑनलाइन पोस्ट किए जाते हैं। कानून के तहत, टेक कंपनियों को ऐसे किसी भी कंटेंट को 48 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा। इस बिल पर हस्ताक्षर करते समय ट्रंप के साथ अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा, 'टेक इट डाउन' एक्ट, हमारे बच्चों की भलाई, हमारे परिवारों और अमेरिका के भविष्य के लिए जरूरी है। यह कानून दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों – रिपब्लिकन और डेमोक्रेटके समर्थन से पास किया गया है। इसे सीनेट कॉमर्स कमेटी के चेयरमैन टेड क्रूज़ और डेमोक्रेटिक सीनेटर एमी क्लोबुचर ने मिलकर तैयार किया है।

पाकिस्तान में अब भुखमरी की मार, एक करोड़ लोगों पर मंडरा रहा खतरा; यूएनए की रिपोर्ट में खुलासा

इस्लामाबाद। आतंक का घर पाकिस्तान पर अब एक मुसीबत से जूझ रहा है।पाकिस्तान के लाखों लोगों पर भुखमरी का खतरा मंडरा रहा है। इसका खुलासा संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में किया गया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एफएओ की 2025 ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के अनुसार ये आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तान में 1.1 करोड़ लोग भुखमरी से जूझ रहे हैं। इसमें 68 ग्रामीण ज़िले शामिल हैं, जो पाकिस्तान के अशांत इलाकों बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा में आते हैं। इस इलाके में आई बाढ़ के बाद करीब 22 प्रतिशत आबादी के भूख से मरने की नौबत है। रिपोर्ट के मुताबिक कई इलाकों में अनाज की भीषण कमी है और लोग अकाल जैसी आपात स्थिति से बस एक कदम की दूरी पर खड़े हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के 1.7 मिलियन लोग आपातकालीन स्थिति में हैं। 2024 की स्थिति और 2025 की वर्तमान स्थिति के बीच जनसंख्या कवरेज में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पिछले साल की तुलना में स्थिति में सुधार के बावजूद मौसम का हाल लोगों की आजीविका को प्रभावित करेगा। 2024 के लिए पाकिस्तान में स्थिति 2023 जैसी ही रही। नवंबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच 11.8 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। रिपोर्ट के अन्य पहलुओं की बात करें तो ग्रामीण जिलों के 68 क्षेत्र गरीबी और दशकों की राजनीतिक उपेक्षा से त्रस्त हैं। वहीं कई जगहों पर भयावह बाढ़ के बाद इन क्षेत्रों की लगभग 22% आबादी भुखमरी के कगार पर है। बलूचिस्तान और सिंध के दक्षिणी प्रांतों में कुपोषण भी एक बड़ी चिंता बनकर उभरी है।

बलूचिस्तान में लोगों को बलपूर्वक गायब कर रहा पाकिस्तान, पांक ने की आलोचना

क्वेटा। पाकिस्तान सरकार द्वारा बलूचिस्तान क्षेत्र से लोगों को जबरन गायब करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। एक मानवाधिकार संस्था ने पाकिस्तान के इस कृत्य को मानवता के विरुद्ध अपराध बताया है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, पांक ने सोमवार को खुलासा किया कि, पाकिस्तानी सेना ने सात और बलूचों को जबरन गायब कर दिया है। रविवार को, मस्तुंग के किल्ली शेखान इलाके के निवासी वजीर खान के बेटे वकास बलूच को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने जबरन हिरासत में लिया और उसके घर से ले गए। मई महीने में ऐसी घटना कई बार हो चुकी है। अन्य पीड़ितों का खुलासा करते हुए पांक ने कहा, 18 मई, 2025 को, पाकिस्तानी सेना ने ग्वादर जिले के पसनी तहसील के जिमुरी इलाके के निवासी इज्जत बलूच के बेटे नवीद बलूच को, मस्तुंग के किल्ली शादी खान इलाके के निवासी सालेह मुहम्मद शाद के बेटे एडवोकेट चीफ अत्ताउल्लाह बलूच को जबरन उसके घर से हिरासत में लिया और फिर गायब कर दिया। 16 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों ने बरपी के बेटे शाह नवाज बलूच को उसके पिता के साथ मिलिटरी कैंप नाली बुलाया था, जो अवारन जिले के मश्कई तहसील के लकी इलाके में रहता था।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बटाला में आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़

चंडीगढ़ । आरएनएस

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बटाला पुलिस ने छह आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जो आईएसआई के निर्देश पर काम कर रहे थे। ये आतंकी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े हुए थे और इनका मास्टरमाइंड मनिंदर बिल्ला और मन्नू अगवान था।

बटाला पुलिस ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। पुलिस के एक्स हैंडल के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों की पहचान जतिन कुमार उर्फ रोहन, बरिंदर सिंह उर्फ साजन, राहुल मसीह, अब्राहम उर्फ रोहित, सोहित और सुनील कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से एक 30 बोर पिस्तौल बरामद हुई है।

पुलिस ने बताया कि ये आतंकी बटाला में एक शराब की दुकान पर ग्रेनेड हमला करने की कोशिश कर चुके थे। गिरफ्तार आतंकियों को पुर्तगाल स्थित मनिंदर बिल्ला और बीकेआई मास्टरमाइंड मन्नू अगवान से सीधे निर्देश मिल रहे थे। मन्नू अगवान ने हाल ही में अमेरिका में हैप्पी पासियन की गिरफ्तारी के बाद ऑपरेशनल चार्ज संभाला था।

गिरफ्तार आतंकियों में से एक जतिन कुमार पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। उसने पुलिस पर गोलियां चलाईं और जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। उसे सिविल अस्पताल बटाला में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने इस मामले में बीएनएस और यूएपीए के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि वे राज्य में आतंकी नेटवर्क को बेअसर करने और शांति और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस कार्रवाई के बाद पुलिस आतंकी नेटवर्क के अन्य सदस्यों को पकडऩे की कोशिश कर रही है। पुलिस का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देंगे और राज्य की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।

पूरा पाकिस्तान भारत की सीमा में है' 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना अधिकारी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सेना के वायु रक्षा प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए कहा कि भारत के पास पूरे पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य पर सटीक हमले की क्षमता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय (जीएचक्यू) को रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा स्थानांतरित ही क्यों न किया जाए, पूरे पाकिस्तान की वायु सीमाएँ और उसके अंदरूनी भाग भारत के वर्जन (विजिलेंस) दायरे में हैं।जनरल डी'कुन्हा ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों ने पाकिस्तानी एयरबेसों को नष्ट करने के साथ उनकी रक्षा क्षमताओं को भंग कर दिया। भारत के पास न केवल सीमा पर बल्कि गहराई में जाकर भी लडऩे के पर्याप्त आयुध हैं, उन्होंने कहा। सबसे बड़े से लेकर सबसे छोटे लक्ष्य तक, पूरे पाकिस्तान की हवाई सीमाएँ हमारी निगरानी में हैं, और हम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वायु रक्षा प्रमुख ने यह भी रेखांकित किया कि सशस्त्र बलों का प्रथम कर्तव्य अपने देश की संप्रभुता और नागरिकों की रक्षा करना है। हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी अपनी सीमाओं की रक्षा करना है, और इसमें हम किसी से पीछे नहीं हैं, उन्होंने कहा। जनरल डी'कुन्हा ने यह भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर ने आधुनिक युद्ध तकनीकों के साथ-साथ पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल-सिस्टमों को बेअसर करने की भारतीय क्षमताओं को भी प्रदर्शित किया।

बांग्लादेशियों का अड्डा बने इलाके में फिर बुलडोजर एक्शन, अब 8 हजार अवैध निर्माण होंगे ध्वस्त

अहमदाबाद (आरएनएस)। बांग्लादेशियों का अड्डा बने अहमदाबाद में चंडोला तालाब के किनारे तीन दिन चलने वाले अवैध निर्माण हटाने के काम की शुरुआत हो गई है। इस दूसरे चरण में 50 बुलडोजर एवं नगर निगम की 50 टीमें 3,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर लगभग 8,000 अवैध ढांचों को ध्वस्त करेंगी। इससे करीब 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली होगी। पहले चरण में 4,000 अवैध निर्माण हटाए गए थे, जिससे 1.5 लाख वर्ग मीटर जगह मिली थी। नगर निगम ने सर्वे के बाद 2010 से पहले से यहां रह रहे लोगों को वैकल्पिक आवास देने के लिए आवेदन पत्र वितरित किए हैं। पात्र लोगों को हटाए जाने पर नए आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस कमिश्नर जी.एस. मलिक ने बताया कि इनमें पिछले महीने पकड़े गए 250 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों में से 207 लोग रहते थे और वे गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल थे। 2009 में भी इसी इलाके में पहले डिमोलिशन का प्रयास किया गया था। स्थानीय निवासियों ने पहले चरण के दौरान हाईकोर्ट में अवैध निर्माण रोकने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने सभी निर्माण अवैध मानते हुए डिमोलिशन जारी रखने का आदेश दिया था। अब प्रशासन शेष निर्माण हटाकर चंडोला तालाब की जमीन पुन: अतिक्रमण मुक्त करेगा।

सरकार का बड़ा फैसला, मदरसों में बच्चों को पढ़ाई जाएगी 'ऑपरेशन सिंदूर' की विजयगाथा

देहरादून । आरएनएस

उत्तराखंड मदरसा बोर्ड ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को इंटरमीडिएट स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया है। इस वीरतापूर्ण सैन्य अभियान की कहानी अब छात्रों को पढ़ाई जाएगी, जिससे उनमें देशभक्ति की भावना मजबूत होगी। सेना के साहस और बलिदान को समझने का यह एक प्रेरणादायक कदम है, जो विद्यार्थियों को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ेगा।

उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वीरों की भूमि है और यहां के बच्चे भी देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हैं। हम चाहते हैं कि मदरसे के बच्चे भी सेना के साहस और बलिदान की कहानियों से प्रेरणा लें। ऑपरेशन सिंदूर ऐसा ही एक उदाहरण है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तराखंड में कुल 451 मान्यता प्राप्त मदरसे हैं, जिनमें लगभग 50,000 छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। इन सभी संस्थानों में आने वाले समय में 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित एक अध्याय नए पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि पाठ्यक्रम में 'ऑपरेशन सिंदूर' को शामिल करने के लिए विशेष पाठ्यक्रम समिति गठित की जाएगी। इस समिति में शिक्षाविद, सैन्य इतिहासकार और मदरसा शिक्षा विशेषज्ञ शामिल होंगे। समिति तय करेगी कि किस कक्षा में, किस प्रकार से और कितनी गहराई तक यह विषय पढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय राजनीतिक नहीं बल्कि शैक्षणिक और राष्ट्रवादी भावना से प्रेरित है। बच्चों को केवल धार्मिक शिक्षा नहीं, बल्कि देश के इतिहास, संस्कृति और समर्पण की भावना से भी अवगत कराना जरूरी है।

नहीं रहे परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन, 95 की उम्र में ली अंतिम सांस

चेन्नई । आरएनएस

परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वे 95 वर्ष के थे। भारत के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार, डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया, जो पांच दशकों से भी ज्यादा चला।

उन्होंने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था।

1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। 1967 में, उन्होंने मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन के मुख्य परियोजना इंजीनियर के रूप में जिम्मेदारी संभाली, जिसने भारत की आत्मनिर्भर परमाणु ऊर्जा क्षमताओं की नींव रखी।

1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला। उनके नेतृत्व में देश ने अपने परमाणु बुनियादी ढांचे में तेजी से विकास देखा, जिसमें श्रीनिवासन ने भारत भर में प्रमुख बिजली संयंत्रों की योजना, निर्माण और कमीशनिंग की देखरेख की।

1987 में उन्हें परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी साल वे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक अध्यक्ष भी बने। उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय विस्तार हुआ और उनके मार्गदर्शन में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयां विकसित की गईं, जिनमें सात चालू हो गई थीं और सात निर्माणाधीन थीं। इसके अलावा, चार योजना चरण में थीं।

परमाणु विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए डॉ. श्रीनिवासन को भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी बेटी शारदा श्रीनिवासन ने परिवार की ओर से जारी एक बयान में कहा, दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी प्रतिभा और राष्ट्र के प्रति अथक सेवा की उनकी विरासत भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। डॉ. श्रीनिवासन की मृत्यु भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी इतिहास में एक युग का अंत है। वे अपने पीछे एक ऐसी स्थायी विरासत छोड़ गए हैं, जिसने देश की प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद की।

पकड़ी गई शादी कर भागने वाली लुटेरी दुल्हन? 7 महीने में 25 दूल्हों को ठगा

जयपुर । आरएनएस

कभी-कभी बॉलीवुड फिल्म सच्ची कहानियों पर बनती हैं, तो कभी उनसे प्रेरणा लेकर लोग अपनी कहानी गढ़ लेते हैं। ऐसा ही वाकया मध्य प्रदेश के भोपाल में सामने आया, जहां 23 वर्षीय अनुराधा पासवान को गिरफ्तार किया गया है। अनुराधा पर 7 महीने में 25 लोगों से शादी कर ठगी करने का आरोप है। यह कहानी बिल्कुल वैसी है, जैसी 2015 में आई सोनम कपूर की फिल्म डॉली की डोली की थी।

दरअसल, 2 मई, 2025 को राजस्थान के मानटाउन निवासी विष्णु शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी दुल्हन शादी के 3 दिन बाद ही घर से नकदी, जेवर और मोबाइल लेकर फरार हो गई।

शर्मा ने पुलिस को बताया कि खंडवा निवासी सुनीता और पप्पू मीना ने मनपसंद लडक़ी से शादी कराने के लिए तस्वीर

दिखाई थी, जिसमें उसे अनुराधा पसंद आई।

इसके बाद उसने सवाई माधोपुर कोर्ट में फर्जी एग्रीमेंट से 2 लाख रुपये देकर शादी की।

सवाई माधोपुर में पहली बार पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने वाले पीड़ित शर्मा ने बताया कि वह ठेला लगाते हैं और बैंक से कर्ज लेकर शादी की थी उन्होंने मोबाइल भी उधार लिया था, जिसे भी लेकर अनुराधा फरार हो गई थी।

राजस्थान पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेकर विशेष टीम गठित की। उसने भोपाल में मुखबिरों के जरिए फर्जी शादी कराने वाले गिरोह से संपर्क किया।

टीम ने एक सिपाही को अविवाहित बताकर शादी की योजना बनाई और तभी एजेंटों ने पुलिसकर्मियों को लडक़ी पसंद करने के लिए कई तस्वीर दिखाई, जिसमें अनुराधा देखने पर पुलिस सतर्क हुई।

इसके बाद टीम ने भोपाल के पन्नाखेड़ी गांव में पहुंचकर अनुराधा को गिरफ्तार किया। वहां भी अनुराधा शादी करके रह रही थी।

पुलिस का कहना है कि यह गिरोह भोपाल से संचालित होता था, जिसमें रोशनी, सुनीता, रघुवीर, गोलू, मजबूत सिंह यादव और अर्जन नाम के लोग जुड़े हुए थे। ये भोपाल में अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थे और मोबाइल पर शादी के लिए इच्छुक लोगों को तस्वीरें दिखाकर 2 से 5 लाख रुपये में शादी करवाते थे। शादी के बाद दुल्हन दूल्हे के घर से सारा माल समेटकर फरार हो जाती थी। पुलिस अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है। अनुराधा पासवान उत्तर प्रदेश के महाराजगंज की रहने वाली है। वह पहले एक अस्पताल में काम करती थी। उसने पारिवारिक विवाद के बाद अपना घर छोड़ दिया था।

इसके बाद वह काम के सिलसिले में भोपाल गई, जहां व्हाट्सऐप के जरिए मैच-मेकिंग कराने वाले गिरोह से जुड़ गई। इसके बाद उसने 7 महीने के अंदर करीब 25 शादियां की।

पुलिस को उसके पास से कई दस्तावेज और कागज भी मिले हैं। उससे पूछताछ जारी है।

पिछले साल भी ऐसा मामला आया था, जिसमें उत्तराखंड की सीमा ने कई लोगों से शादी करके फिर तलाक लेकर 1.25 करोड़ रुपये ठगे थे। शादी के बाद सीमा परिवार को फंसाने की धमकी देकर लूटती थी। वह तलाकशुदा और विधुर पुरुषों को फंसाती थी।

नदिया में भीषण सड़क हादसा में 6 लोगों की मौत

नदिया । आरएनएस

एक भीषण सडक़ दुर्घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। घटना आज सुबह नदिया जिले के कृष्णानगर-करीमपुर राज्य राजमार्ग के महिषबथान मठ इलाके में घटी। हालांकि, मृतकों की पहचान अभी तक ज्ञात नहीं हो पाई है। पुलिस जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज सुबह करीब सात बजे मारुति कार तेज़ रफ्तार से करिमपुर से कोलकाता की ओर जा रही थी, जिसमें छह लोग सवार थे। उसी दिशा से आ रही एक निजी यात्री बस ने तेज़ गति में कार को टक्कर मारी और कार को धकेलते हुए सडक़ किनारे एक बड़े पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मारुति कार पूरी तरह कुचल गई और उसमें सवार सभी यात्री कार के अंदर ही फंस गए।

हादसे की आवाज़ सुनते ही स्थानीय लोग मौके पर दौड़े और बचाव कार्य शुरू किया। हालांकि कार की हालत इतनी खराब थी कि किसी को तुरंत बाहर निकाल पाना संभव नहीं था। सूचना मिलते ही करिमपुर थाने की पुलिस और दमकल की गाडिय़ां घटनास्थल पर पहुंच शवों को बाहर निकाला।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और उनके परिजनों की तलाश की जा रही है। हादसे में बस के कुछ यात्री भी घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेंगलुरु समेत अन्य जिलों में बारिश से 5 की मौत, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

बेंगलुरु । आरएनएस

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु समेत कई हिस्सों में सोमवार से शुरू हुई बारिश अभी तक जारी है। बारिश और बाढ़ की वजह से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कर्नाटक के पास अरब सागर के ऊपर 21 मई से चक्रवाती परिसंचरण के बारे में चेतावनी दी है। मौसम विभाग का कहना है कि चक्रवाती गतिविधि तेज होने से 22 मई को और तेज बारिश होगी। प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी है। पिछले 36 घंटे से हो रही बारिश की वजह से सडक़ें पानी से लबालब हैं और यातायात अवरुद्ध हो गया है। कई इलाकों में सैंकड़ों लोग फंसे हुए हैं। बेंगलुरु के एनएस पाल्या में अपार्टमेंट से बारिश का पानी निकालते समय एक 12 वर्षीय लडक़े सहित दो लोगों की करंट लगने से मौत हो गई।

महादेवपुरा में एक परिसर की दीवार गिरने से 35 वर्षीय महिला दब गई। रायचूर और करवार में बिजली गिरने से 2 अन्य मौतें हुई हैं। बेंगलुरु में रविवार को 105 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो 15 साल में दूसरी बार सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। सोमवार को शहर में 37.2 मिलीमीटर बारिश हुई है।

आईएमडी बेंगलुरु केंद्र के निदेशक एन पुवियारसु ने बताया कि जितनी बारिश हो रही है, वह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुछ भी नहीं है, लेकिन बेंगलुरु जैसे शहरों में कंक्रीट निर्माण अधिक है, जिससे जल निकासी के लिए रास्ते बंद हो गए हैं।

आईएमडी ने संभावना जताई कि बेंगलुरु समेत अन्य जिलों में 26 मई तक भारी बारिश हो सकती है। बुधवार 21 मई को तूफान के साथ बिजली गिरने की संभावना है। सबसे अधिक बारिश बागलकोट, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, बेलगाम, चिक्काबल्लापुरा, धारवाड़, गडग, कोलार, कोप्पल, विजयनगर, कलबुर्गी, शिवमोग्गा, विजयपुरा, देवनागरी, रायचूर, यादगीर, बल्लारी, उत्तर कन्नड़, उडुपी और दक्षिण कन्नड़ में होगी। कर्नाटक के अलावा तमिलनाडु में बारिश का रेड अलर्ट है। कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भी तेज बारिश होगी।

भारत के दक्षिण में मानसून आने में अभी 6 से 7 दिन शेष हैं, लेकिन मानसून

पूर्व बारिश ने आफत मचानी शुरू कर दी है। वहीं उत्तर भारत में लोग गर्मी से तप रहे हैं।

आईएमडी वैज्ञानिकों ने बताया कि फिलहाल कुछ दिन दिल्ली और उत्तर प्रदेश के इलाकों में लू की संभावना नहीं है, लेकिन राजस्थान और हरियाणा में गर्म हवाएं तेज हो सकती हैं। बता दें कि केरल में 27 मई को दक्षिण पश्चिम मानसून आएगा।

1 घंटे की बारिश में पानी-पानी हुआ पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट- पुणे (आरएनएस)।

मॉनसून का आगमन अभी हुआ नहीं है, लेकिन पुणे और आसपास के इलाकों में बेमौसम बारिश ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। सोमवार को महज एक घंटे की तेज बारिश ने पुणे शहर को बेहाल कर दिया, और मंगलवार को भी बारिश का सिलसिला जारी है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि पुणे के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुणे हवाई अड्डे के सभी गेट पर पानी भर गया है, जिससे यात्रियों को आने-जाने में भारी कठिनाई हो रही है। महज एक घंटे की बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। हवाई अड्डे के निकास द्वार के पास पानी भर गया है, और एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें एग्जिट गेट के पास चैंबर पानी में डूबे दिखाई दे रहे हैं। हजारों यात्री रोजाना पुणे हवाई अड्डे का उपयोग करते हैं, और केवल एक घंटे की बारिश से हुए इस जलभराव ने उन्हें भारी असुविधा में डाल दिया है। इन हालातों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब मॉनसून पूरी तरह से आएगा तो स्थिति कितनी बदतर हो सकती है, अगर बेहतर इंतजाम नहीं किए गए। पुणे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के गेट नंबर 2 और 3 के बाहर की सडक़ें तालाब में तब्दील हो गई हैं। पानी भरने के कारण कई वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो गए, जिसके बाद यात्रियों को पैदल चलकर हवाई अड्डे तक पहुंचना पड़ा।